5th Semester

First Paper

Full Marks 100 (80+20)

(भारतीय संस्कृति एवं निबंध)

क. भारतीय संस्कृतिः

भारतीय संस्कृति का स्वरूप, भारतीय संस्कृति की विशेषतायें, पंचमहायज्ञ वर्ण व्यवस्था, आश्रम व्यवस्था, संस्कार, पुरुषार्थ — 60

ख. संस्कृत में निबंध — 20

घ. सत्रीय परीक्षा — 20

अनुशंसित ग्रंथः

01. राजबली पाण्डेय–हिन्दू संस्कार
02. शिवदत्त ज्ञानी–भारतीय संस्कृति
03. प्रीतिप्रभा गोयल–भारतीय संस्कृति, राजस्थानी ग्रंथागार,
04. नरेन्द्रदेव सिंह शास्त्री–भारतीय संस्कृति का इतिहास, साहित्य भण्डार, मेरठ
05. P V Kane—History of Dharmashastra

Second Paper

Full Marks 100 (80+20)

(काव्यालोचन)

क. साहित्यदर्पण (प्रथम एवं द्वितीय परिच्छेद) — 60

ख. काव्यशास्त्र का इतिहास — 20

ग. सत्रीय परीक्षा — 20

अनुशंसित ग्रंथः

01. विश्वनाथकविराजकृत साहित्यदर्पण–सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्या भवन, वाराणसी
02. मम्मटकृत काव्यप्रकाश–हरिदत्त शास्त्री, साहित्य भण्डार, मेरठ
03. शिवनारायण शास्त्री–काव्यालंकार, परिमल प्रकाशन, दिल्ली

6th Semester

First Paper

Full Marks 100 (80+20)

(योग, आयुर्वेद तथा वास्तु विज्ञान)

क. पतंजलिकृत योगसूत्रम् (समाधिपाद 1 से 20 सूत्र मात्र) 30
ख. चरकसंहिता (षड्ऋतुचर्या मात्र) 25
ग. टोडरमल्लकृत वास्तुसौख्यम् (प्रथम तथा द्वितीय भाग मात्र) 25

घ. सत्रीय परीक्षा 20

अनुशंसित ग्रंथः

01. पतंजलिकृत योगसूत्रम्–गीता प्रेस गोरखपुर
02. चरकसंहिता–चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी
03. टोडरमल्लकृत वास्तुसौख्यम्–कमलाकान्त शुक्ल, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी
04. Patanjali's Yogasutra—Swami Prabhavanand, ShriRamakrishna Math, Chennai

Second Paper

Full Marks 100 (80+20)

(उत्तराखण्ड का अर्वाचीन संस्कृत साहित्य)

क. पद्यकाव्य– 56

सदानन्द डबराल के *नरनारायणीयम्* महाकाव्य के प्रथम सर्ग से प्रथम 10 श्लोक,
शिवप्रसाद भारद्वाज के *लौहपुरुषावदानम महाकाव्य* के प्रथम सर्ग के प्रथम 10 श्लोक,
हरिनारायण दीक्षित के महाकाव्य *भारतमाता ब्रूते* के प्रथम सर्ग के प्रथम 10 श्लोक,
श्रीकृष्ण सेमवाल के *वाग्वैभवम्* के प्रथम 10 श्लोक,
राधेश्याम गंगवार के *आह्वानम्* से *अतिथिः* एवं *अभक्ष्यम्*,
निरंजन मिश्र के *वन्दे भारतम्* के प्रथम 10 श्लोक तथा
रामविनय सिंह की *शाश्वती* से दो गीत *नयनयनप्राणाः* एवं *भारतभूः*

ग. कथाकाव्य– 16

वनमाली विश्वाल की *नीरवस्वनः* एवं *चम्पी* तथा
प्रमोद भारतीय की *सहपाठिनी* एवं *मलिनवसनम्* 08

घ. नाट्य– मथुरादत्त पाण्डेय का *नारदमोहिनीयम्*

20

घ. सत्रीय परीक्षा

अनुशंसित ग्रंथः

01. शिवप्रसाद भारद्वाज–लौहपुरुषावदानम्, जेनरल महादेव सिंह मार्ग, देहरादून
02. राधेश्याम गंगवार–चन्द्रगुप्तचरितम्, राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, डाकपत्थर, देहरादून
03. निरंजन मिश्र–वन्दे भारतम्, प्रगतिशील प्रकाशन, दिल्ली
04. राम विनय सिंह–शास्वती, देववाणी परिषद्, वाणीविहार, उततमनगर, नयी दिल्ली
05. हरिनारायण दीक्षित–भारतमाता ब्रूते, ईस्टर्ना बुक लिंकर्स, जवाहरनगर, दिल्ली
06. वनमाली विश्वाल–नीरवस्वनः, पद्मजा प्रकाशन, झूसी, इलाहाबाद
07. प्रमोद भारतीय–सहपाठिनी, म्युनिसिपल पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज, मसूरी
08. मथुरादत्त पाण्डेय–पल्लवपंचकम्, मौनीड प्रकाशन, 1292, सेक्टर .15, पंचकूला हरियाणा
09. रामविनय सिंह–शेवधिः, संस्कृत विश्वविद्यालय प्रकाशन, हरिद्वार
10. राधावल्लभ त्रिपाठी–संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास, राष्टीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली
12. Pramod Bharatiya, Fourteen Novels of Sanskrit, Parimal Publications, Delhi
13. शालिमा तबस्सुम–उत्तराखण्ड के संस्कृत साहित्यकार, परिमल प्रकाशन, शक्तिनगर, दिल्ली

(डॉ. राम विनय सिंह)
सदस्य, पाठ्यक्रम निर्माण समिति

(डॉ. प्रमोद भारतीय)
सदस्य, पाठ्यक्रम निर्माण समिति

(डॉ. सविता भट्ट)
संयोजक, पाठ्यक्रम निर्माण समिति